निषेध: 13 दिसंबर, 2006 को प्रात: 12.01 बजे तक, डीएसटी, वांशिगटन डीसी (प्रात: 5.01, जीएमटी) तक प्रकाशन, प्रसारण, या संप्रेषण के लिए नहीं है।

THE WORLD BANK

Working for a World Free of Poverty

प्रेस विज्ञप्ति

प्रेस विज्ञप्ति सं. 2007/58/DEC

संपर्क:
वांशिगटन में: मेरेल टक (202)473-9516
मोबाल: (202) 415 1775
mtuckprimdahl@worldbank.org
रेडियो/टीवी: नाजानीन आटाबाकी
(202) 458-1450
Natabaki@worldbank.org

विकास संभावनाएं सशक्त हैं लेकिन सामाजिक दबाव के कारण असाम्यता बढ़ने, पर्यावरणीय संकट का खतरा है

दक्षिण एशिया में सकल घरेलू उत्पाद में 2006 के दौरान 8.2 प्रतिशत की वृद्धि होगी

वांशिगटन, डीसी, 13 दिसंबर, 2006 – वैश्विकीकरण 1980-2005 की तुलना में अगले 25 सालों में औसत आयों में वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है जहां विकासशील देश एक केंद्रीय भूमिका निभाएंगे। बहरहाल, अगर इस प्रबंधन सतर्कतापूर्वक नहीं किया जाए तो इसके साथ-साथ आय में असाम्यता बढ़ सकती है और उग्र पर्यावरणीय दबावों की संभावना है। ऐसा विश्व बैंक का पूर्वानुमान है।

वैश्विक आर्थिक संभावनाएं 2007: वैश्विकीकरण की अगली लहर का प्रबंधन करना के अनुसार इस साल विकासशील देशों में विकास की दर कीर्तिमान 7 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। 2007 और 2008 में संभवत: विकास दर धीमी होगी लेकिन फिर भी यह 6 प्रतिशत से अधिक होगी, उच्च आय वाले देशों में विकास दर से दोगुनी होगी जिसका 2.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

2006 में दक्षिण एशिया में सकल घरेलू उत्पाद 8.2 प्रतिशत की अत्यधिक तीव्र गति से बढ़ने का अनुमान है। भारत गैर-कृषि उत्पादों में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि के बलबूते पर लगभग 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ सकल घरेलू उत्पाद में इस वृद्धि की अगुवाई कर रहा है। पाकिस्तान में आउटपुट 7.8 प्रतिशत से कम होकर 6.6 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है, जो 2005 में एक भरी-पूरी फसल के कारण अधिक सामान्य कृषि उपज पर वापस आ गया है।

बांग्लोदश में अधिक विप्रेषण अंतर्प्रवाह, ओजस्वी सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्र के आउटपुट और पिछले साल की बाढ़ों के कारण कृषि उपज पर प्रभाव घटने के कारण वापस 6.7 प्रतिशत पर वापस आ गया है। नेपाल में प्रचंड कलह, कृषि उपज में मौसम संबंधी गिरावट और वस्त्र निर्यातों में गिरावट के कारण

आर्थिक गतिविधि मंद होकर 1.9 प्रतिशत रह गई है। श्री लंका में एक अच्छी उपज, सूनामी पश्चात समुत्थान और पुनर्निर्माण गतिविधि के कारण वृद्धि दर बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई है।

दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए विश्व बैंक के चीफ ईकोनामिस्ट शांतायन देवराजन ने कहा है, 'इस क्षेत्र में इस तीव्र वृद्धि दर को आर्थिक सुधारों के कारण बल मिल रहा है जिसने निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया है - आर्थिक विकास, मजबूत मैक्रो मैनेजमेंट और वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ अपेक्षाकृत अधिक एकीकरण का नेतृत्व किया है। लेकिन इस क्षेत्र ने अनेक जोखिमों का सामना किया है। जब तक नीति निर्माता मैक्रोईकोनामिक असंतुलन को नियंत्रित करने के लिए शीघ्र और निर्णायक रूप से कार्य नहीं करेंगे, तब तक मुद्रास्फीति परिणाम उच्चतर रहेंगे, चालू खाते में घाटा अधिक रहेगा और अनुवर्ती प्रदर्शन अधिक सुस्पष्ट होगा।'

देवराजन ने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में बढ़ती हुई असाम्यता न केवल गरीबी को कम करने के लिए आर्थिक विकास को कम शक्तिशाली बनाएगी, लेकिन इसके परिणामस्वरूप नए सामाजिक विवाद उत्पन्न हो सकते हैं या मौजूदा विवाद कटु बन सकते हैं।

दक्षिण एशिया में सकल घरेलू उत्पाद उत्तरोत्तर मंद होने का अनुमान है फिर भी यह 2007 में सुदृढ़ 7.5 और 2008 में 8 प्रतिशत रहेगा। बाहर से कम मांग जो 2007 में यूनायटेड स्टेट्स में अपेक्षाकृत मंद आर्थिक वृद्धि को परिलक्षित करेगी, अपेक्षाकृत कड़ी मौद्रिक एवं वित्तीय नीतियाँ और अपेक्षाकृत कड़ी अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक परिस्थितियाँ ये सभी कारक हैं जो प्रत्याशित मंदी में अंशदान करेंगे।

रिपोर्ट में पूर्वानुमान लगाया गया है कि वैश्विकीकरण से वैश्विक अर्थव्यवस्था 2005 में 35 ट्रिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2030 में 72 ट्रिलियन अमरीकी डालर हो जाएगी। इस रिपोर्ट के अग्रणी लेखक और ट्रेड डिपार्टमेंट में ईकोनामिक एडवाइजर रिचर्ड न्यूफार्मर ने कहा है, 'हालांकि ये परिणाम पिछले 25 वर्ष की तुलना में वैश्विक आर्थिक वृद्धि में मामूली तेजी के परिचायक हैं, यह पहले की अपेक्षा कहीं अधिक विकासशील देशों के प्रबल प्रदर्शन से प्रेरित हो रही है। और हालांकि सटीक संख्याएं निसंदेह अलग होंगी, अंतर्निहित रूझान सभी के लिए अप्रभावित लेकिन अत्यधिक उग्र या अवरोधी आघात हैं।'

इस अवधि के दौरान विकासशील देशों में व्यापक-आधार वाली आर्थिक वृद्धि वैश्विक गरीबी को उल्लेखनीय रूप से प्रभावित करेगी। विश्व बैंक के चीफ ईकोनामिस्ट एवं सीनियर वाइस प्रेसीडेंट, डेवलेपमेंट ईकोनामिक्स फ्रैंकॉयस ने कहा है, 'एक दिन में 1 अमरीकी डॉलर से कम के साथ गुजारा करने वाले लोगों की संख्या अभी 1.1 बिलियन है जो 2030 में घटकर 550 मिलियन रह जाएगी। बहरहाल, कुछ क्षेत्रों, विशेषकर अफ्रीका के लिए पिछड़ने का खतरा है। इसके अलावा, आय की असाम्यता अनेक देशों के भीतर बढ़ सकती है जिससे देशों के बीच असाम्यता के बारे में मौजूदा चिंताओं में और वृद्धि होगी।'

सामान एवं सेवाओं में मौजूदा वैश्विक व्यापार 2030 तक तीन गुना बढ़कर 27 ट्रिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच सकता है, और उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार का हिस्सा मौजूदा एक-चौथाई से बढ़कर एक-तिहाई हो जाएगा। मोटे तौर पर आधी आर्थिक वृद्धि विकासशील देशों में होने की संभावना है।

विकासशील देश जो केवल दो दशक पहले समृद्ध देशों के निर्मित आयातों में 14 प्रतिशत उपलब्ध कराया करते थे, आज 40 प्रतिशत की आपूर्ति कर रहे हैं और 2030 तक उनके द्वारा 65 प्रतिशत की आपूर्ति करे जाने की संभावना है। साथ ही, विकासशील देशों से आयात की मांग वैश्विक अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में उभर रही है।

बाजारों का एकीकरण जारी रहने से पूरे विश्व में नौकरियों पर अधिक प्रतिस्पर्धात्मक दबाव पड़ेंगे। विश्व बैंक के प्रासपेक्ट्स ग्रुप एवं इंटरनेशनल ट्रेड डिपार्टमेंट के डायरेक्टर ऊरी दादुश ने समझाया, 'जैसे व्यापार का विस्तार होगा और तकनीकें विकासशील देशों का विलय करेंगी, पूरे विश्व में अकुशल कामगार - और कुछ कम कुशलता वाले ह्वाइट कॉलर कामगार - सीमापार से बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा का सामना करेंगे। मौजूदा नौकरियों का संरक्षण करने की कोशिश करने की बजाय सरकारों को विस्थापित कामगारों की सहायता करने तथा उन्हें नए अवसर मुहैया कराने की आवश्यकता है। शिक्षा और श्रम बाजार के लचीलेपन में सुधार करना दीर्घकालिक समाधन का एक मुख्य हिस्सा है।'

वैश्विकीकरण से अनेकों को फायदा होने की संभावना है। 2030 तक विकासशील देशों में 1.2 बिलियन व्यक्ति - वैश्विक आबादी का 15 प्रतिशत - 'वैश्विक मध्यम वर्ग' से संबंधित होगा, आज 400 मिलियन से अधिक। इस समूह के पास 4000 अमरीकी डालर और 17000 अमरीकी डालर प्रति व्यक्ति की खरीदारी शक्ति होगी, और यह अंतर्राष्ट्रीय यात्रा की सुगम्यता, मोटरवाहन खरीदने और अन्य उन्नत उपभोक्ता सामान खरीदने, शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय स्तर हासिल करने का आनंद लेगा तथा खुद अपने देशों में एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था में नीतियां एवं संस्थानों को विकसित करने में मुख्य भूमिका निभाएगा।

रिपोर्ट में चेताया गया है कि वैश्विकीकरण की अगली लहर से 'विश्व के आम आदमी' पर दबाव उग्र बनेगा, जो इस दीर्घकालिक प्रक्रिया को खतरे में डाल सकता है। राष्ट्रों को वैश्विक जनता के कल्याण के मुद्दों - वैश्विक तापन का प्रशमन करने से लेकर बर्ड फ्लू जैसी संक्रामक बीमारियों की रोकथाम करना, विश्व मत्स्य-क्षेत्र का ह्रास रोकना - में अधिक बड़ी भूमिका निभाने के लिए एक साथ कार्य करना होगा।

रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापन का गंभीर खतरा है। बढ़ते हुए आउटपुट का अर्थ है कि व्यापक नीतिगत बदलावों की गैर-मौजूदगी के चलते ग्रीनहाउस गैसों के वार्षिक उत्सर्जन में 2030 तक मोटे तौर पर 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी और संभवतः 2050 यह दोगुना हो जाएगा। इससे बचने के लिए नीतियों को एक 'स्वच्छ' आर्थिक विकास को बढ़ावा देना होगा ताकि उत्सर्जनों को ऐसे स्तरों पर सीमित किया जा सके जो अंततः वातावरणीय सांद्रताओं को संतुलित बनाए। इसके अलावा, गरीब देशों को कार्बन फाइनेंस बाजार में उनकी भागीदारी के लिए सहायता सहित आगामी पर्यावरणीय बदलावों के अनकूल बनने के लिए विकास सहायता की आवश्यकता होगी।

लेखकों ने निष्कर्ष निकाला है कि तीव्र वैश्विकीकरण की चुनौतियां ने राष्ट्रीय नीतिनिर्माताओं और अंतर्राष्ट्रीय अधिकारियों, दोनों पर नए बोझ लाद दिए हैं। राष्ट्रीय दृष्टि से सरकारों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि गरीबों को शिक्षा, असंरचना और विस्थापित कामगारों के लिए सहायता व्यवस्थाओं में गरीब-अनकूल निवेशों के जरिये आर्थिक विकास की प्रिक्रया में शामिल किया जाए। उन्हें कामगारों की

सहायता करने और उनके लिए निवेश करने की आवश्यकता है - यह सभी कुछ परिवर्तन का विरोध करने की बजाय उसका समर्थन करते हुए।

अंतर्राष्ट्रीय रूप से इस रिपोर्ट में विश्व के आम आदमियों के लिए खतरों को संभालने हेतु अधिक सुदृढ़ संस्थानों का आह्वान किया गया है। इसमें और अधिक एवं बेहतर विकास सहायता का भी आह्वान किया गया है। व्यावार की बाधाओं को दूर करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गरीब देशों और गरीब लोगों के लिए नए अवसरों का सृजन करेगा। श्री दादुश ने कहा, 'विश्व व्यापार वार्ता की दोहा वार्ता को पुन: शुरू करना और गरीबों को लाभ पहुंचाने वाला करार करने की तात्कालिक आवश्यकता है।

- ### -

पत्रकार निषेध समाप्त होने से पहले विश्व बैंक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग सेंटर:
http://media.worldbank.org/secur के माध्यम से पर इस सामग्री का अवलोकन कर सकते हें।
मान्यताप्राप्त पत्रकार जिनके पास पहले पासवर्ड नहीं है, http://media.worldbank.org/ पर रजीस्ट्रेशन फॉर्म को पूरा करने उसके लिए अनुरोध कर सकते हैं।
रिपोर्ट और संबंधित सामग्री निषेध समाप्त होते ही सार्वजनिक रूप से तत्काल
http://www.worldbank.org/gep2007. पर उपलब्ध होगी।
वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अंत:क्रियाशील संभावनाओं का अवलोकन
http://www.worldbank.org/globaloutlook. पर किया जा सकता है।